CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

ANSWER KEY

From previous CBSE Board Exam questions

Code: EZK1TJ | **Questions: 13** | **Maximum Marks: 32** | **Generated: 2026-06-15 13:05**

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना
Year	2022-2026
Questions selected	13

Composition — Types: 12 Short · 1 reading_comprehension

Q1. **[3]**

'डायरी का पन्ना' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'आज जो बात थी वह निराली थी ।' – का आशय स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q11 (ख)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:20 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को कलकत्ता में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मोनुमेंट के मैदान में तीन बजे से हज़ारों लोगों की भीड़ टोलियाँ बनाकर एकत्र होने लगी। यह दृश्य पहले कभी नहीं देखा गया था। कानून भंग आंदोलन शुरू होने के बाद यह पहली बार इतनी विशाल सभा थी। पुलिस कमिश्नर के प्रतिबंध को खुली चुनौती देकर सभा आयोजित की जा रही थी — यह खुला संघर्ष था। इसीलिए उस दिन की बात 'निराली' थी — ऐसा साहसपूर्ण और अभूतपूर्व आयोजन पहले कभी नहीं हुआ था।

Source: डायरी का एक पन्ना (26 जनवरी 1931), Chapter 9

Explanation

- परीक्षक यह देखते हैं कि छात्र ने 'निराली बात' का संदर्भ स्पष्ट किया — विशाल भीड़, खुली चुनौती, और कानून भंग के बाद पहली बार ऐसी सभा।
- उत्तर में तीनों बिंदु आने चाहिए: भीड़ की अभूतपूर्वता, पुलिस प्रतिबंध के बावजूद आयोजन, और खुली लड़ाई का स्वरूप।
- पाठ की भाषा ("ओपन लड़ाई", "खुला चैलेंज") का उल्लेख करें तो अतिरिक्त प्रभाव पड़ता है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q2. **[2]**

धर्मतल्ले पर क्या घटना घटित हुई ? 'डायरी का पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q8 (II)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

धर्मतले के मोड़ पर स्त्रियों का जुलूस टूट गया और करीब 50-60 स्त्रियाँ वहीं मोड़ पर बैठ गईं। पुलिस ने उन सभी को पकड़कर लालबाज़ार भेज दिया। इस प्रकार कलत्ता में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में स्त्रियाँ एक साथ गिरफ़्तार हुईं।

Source: 'डायरी का एक पन्ना', 26 जनवरी 1931

Explanation

- The question asks specifically about the incident at **धर्मतला (Dharmatala)**, so focus only on that event — not the entire day's events.
- Key points examiners look for: julus toota → women sat at the crossing → police arrested them → sent to Lalbazar.
- Mentioning "पहली बार इतनी स्त्रियाँ एक साथ गिरफ़्तार" adds significance and earns full marks.
- Keep it within 2–3 sentences for a 2-mark answer.

Q3. **[2]**

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में ओपन लड़ाई किसे कहा गया है ? यह अपूर्व क्यों थी ?

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q8 (II)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3 ऐतिहासिक संदर्भ | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को मोनुमेंट के मैदान में हुई विशाल सभा को **ओपन लड़ाई** कहा गया। यह इसलिए अपूर्व थी क्योंकि पुलिस कमिश्नर के निषेधाज्ञा नोटिस के बावजूद कौंसिल ने खुला चैलेंज देकर सभा बुलाई। कानून भंग आंदोलन शुरू होने के बाद पहली बार इतनी बड़ी सभा खुले मैदान में की गई थी — जो पहले कभी नहीं हुआ था।

Source: डायरी का एक पन्ना, पाठ-9

Explanation

- The term "ओपन लड़ाई" appears directly in the passage; always quote or closely paraphrase it.
- Two parts to answer: (1) what it refers to, (2) why अपूर्व — examiners look for both.
- Key reasons for अपूर्व: open defiance of police notice + largest such gathering since the civil disobedience movement began + public challenge (खुला चैलेंज).
- Keep within ~50 words for a 2-mark answer.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q4. **[2]**

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में लेखक द्वारा कई आंदोलनकारियों का उल्लेख हुआ है, जिनसे हम साधारणतः अपरिचित हैं। इसके पीछे लेखक का क्या दृष्टिकोण हो सकता है?

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q8 (ii)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.5 संदेश और भाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

लेखक का दृष्टिकोण यह है कि स्वतंत्रता संग्राम केवल बड़े नेताओं के बल पर नहीं, बल्कि अनेक साधारण और अनाम कार्यकर्ताओं के बलिदान से सफल हुआ। अविनाश बाबू, हरिश्चंद्र सिंह, वृजलाल गोयनका जैसे अज्ञात लोगों का उल्लेख कर लेखक उनके योगदान को सम्मान देना चाहता है और यह बताना चाहता है कि इतिहास में उपेक्षित रहे इन सेनानियों को भी याद किया जाना चाहिए।

Explanation

- CBSE परीक्षा में इस प्रश्न का उत्तर लेखक के उद्देश्य/दृष्टिकोण पर केंद्रित होना चाहिए।
- पाठ में अविनाश बाबू, हरिश्चंद्र सिंह, पूर्णोदास, वृजलाल गोयनका जैसे कम-प्रसिद्ध नामों का उल्लेख हुआ है — इनका नाम देना उत्तर को ठोस बनाता है।
- मुख्य बिंदु: साधारण कार्यकर्ताओं का सम्मान + इतिहास में उनकी उपेक्षा का विरोध।

Q5. **[2]**

'आज हम आज़ादी की जिस हवा में साँस ले रहे हैं उसे पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अंग्रेज़ सरकार के अनेक अत्याचार सहे।' 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर इसकी पुष्टि कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q8 (क)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.5 संदेश और भाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को कलकत्ता में स्वतंत्रता दिवस मनाने पर अंग्रेज़ सरकार ने भीषण अत्याचार किए। पुलिस ने लाठियाँ चलाईं, सुभाषचंद्र बोस सहित लगभग 200 लोग घायल हुए। 105 महिलाएँ गिरफ़्तार की गईं और थाने में उन पर मार भी की गई। इसी प्रकार अनेक कार्यकर्ताओं को लॉकअप भेजा गया।

Source: डायरी का एक पन्ना, 26 जनवरी 1931

Explanation

- Examiner wants 2 specific examples of atrocities from the text — lathi charge, arrests, injuries, women being beaten in the police station all count.
- Name Subhash Bose and mention 105 women arrested for full marks.
- Keep it factual and text-based; no general historical filler needed.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[2]**

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को मनाए जाने के विषय में घर-घर जाकर क्यों समझाया जा रहा था ?

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q8 (क)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

घर-घर जाकर इसलिए समझाया जा रहा था क्योंकि कार्यकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों और उसमें भाग लेने के महत्त्व के बारे में जागरूक करना था। लेखक स्वयं सारे काम का भार अपने ऊपर समझता था, इसलिए कार्यकर्ताओं के घर जा-जाकर उन्हें कार्यक्रम में सहभागिता के लिए प्रेरित और संगठित किया गया।

Source: डायरी का एक पन्ना, 26 जनवरी 1931

Explanation

- पाठ में स्पष्ट लिखा है: "सारे काम का भार अपने समझते थे अपने ऊपर है, और इसी तरह जो कार्यकर्ता थे उनके घर जा-जाकर समझाया था।"
- उत्तर में दो बातें ज़रूर लिखें: (1) कार्यकर्ताओं को जागरूक/संगठित करना था, (2) लेखक ने सारी ज़िम्मेदारी खुद पर ली थी।
- पाठ से सीधे शब्दों का उपयोग करें; यह 2 अंक का प्रश्न है, अतः 2-3 वाक्य पर्याप्त हैं।

Q7. **[2]**

'एक संगठित समाज कृत-संकल्प हो तो कुछ भी कर सकता है ।' 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q8 (क)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को कलकत्तावासियों ने संगठित होकर स्वतंत्रता दिवस मनाने का संकल्प लिया। पुलिस की कड़ी पाबंदी और लाठीचार्ज के बावजूद हजारों लोग, महिलाएँ और स्वयंसेवक मैदान में उमड़ पड़े। सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के बाद भी भीड़ नहीं रुकी और झंडा फहराया गया। इस प्रकार जनता के संगठित संकल्प ने अंग्रेजी दमन को विफल कर दिया।

Source: डायरी का एक पन्ना, पाठ प्रवेश एवं पाठ

Explanation

- प्रश्न 2 अंक का है, इसलिए 40–50 शब्दों में ठोस उदाहरण देना पर्याप्त है।
- उत्तर में पाठ के ठोस प्रमाण (सुभाष बाबू की गिरफ्तारी, महिलाओं की भागीदारी, झंडा फहराना) देना जरूरी है — केवल सामान्य कथन से अंक नहीं मिलते।
- कथन को "सिद्ध" करना है, इसलिए पहले संकल्प और फिर उसका परिणाम दोनों लिखें।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q8. **[2]**

क्या 26 जनवरी 1931 के दिन को मनाने के लिए विद्यालयों के विद्यार्थियों को उसमें शामिल किया जाना उचित था ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q8 (iv)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3 ऐतिहासिक संदर्भ | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

हाँ, विद्यालयों के विद्यार्थियों को इस दिन शामिल करना उचित था। पाठ में मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने अपने विद्यालय में झंडोत्सव मनाया और उन्हें स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व समझाया गया। इससे युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जागृत होती थी और वे स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ती थीं।

Source: डायरी का एक पन्ना, Chapter 9

Explanation

- The examiner expects you to take a clear stand (हाँ/नहीं) and support it with evidence from the text.
- The key textual evidence is: मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने झंडोत्सव मनाया और उन्हें उत्सव का अर्थ समझाया गया।
- Link it to the broader purpose: युवाओं में देशभक्ति जगाना।
- Avoid writing a long paragraph — 2 marks = 2-3 concise sentences are enough.

Q9. **[2]**

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में 26 जनवरी 1931 के दिन पूरे कलकत्ता में हर जगह उत्साह और नवीनता क्यों दिखाई दे रही थी ?

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q10 (ii)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3 ऐतिहासिक संदर्भ | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति के अवसर पर पूरे कलकत्ता में उत्साह और नवीनता दिखाई दे रही थी क्योंकि बड़े बाज़ार के प्रायः सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था। कई मकान इतने सजाए गए थे कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ता के प्रत्येक भाग में झंडे लगाए गए थे। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले कभी नहीं हुई थी।

Source: डायरी का एक पन्ना, Chapter 9

Explanation

- यह प्रश्न पाठ के आरंभिक भाग पर आधारित है। दो मुख्य बिंदु देने हैं: (1) राष्ट्रीय झंडा फहराना और मकानों की सजावट, (2) शहर के हर भाग में उत्सव का माहौल।
- "स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति" का उल्लेख करना आवश्यक है — यह 26 जनवरी 1930 की याद में मनाया जा रहा था।
- 2 अंक के लिए दो स्पष्ट कारण देना पर्याप्त है; अधिक विस्तार आवश्यक नहीं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q10. **[5]**

> बड़े बाज़ार के प्रायः मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था। मोनुमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी उस जगह को तो भोर में छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था।

पठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) घुड़सवारों का प्रबंध किसकी ओर से किया गया था ? [1]

(a) पुलिस प्रशासन
(b) कांग्रेस कौंसिल
(c) स्थानीय समिति
(d) केन्द्र सरकार

(ii) बड़े बाज़ार के मकानों को सजाने और उन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का क्या कारण था ? [1]

(a) स्वतंत्रता प्राप्ति की खुशी मनाना
(b) स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ मनाना
(c) लोगों में उत्साह और नवीनता का संचार करना
(d) लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार करना

(iii) शहर में कहीं भी ट्रैफ़िक पुलिस क्यों नहीं थी ? [1]

(a) ट्रैफ़िक पुलिस गश्त के काम में लगी थी।
(b) उस दिन शहर में कोई ट्रैफ़िक नहीं था।
(c) ट्रैफ़िक पुलिस आज़ादी का उत्सव मना रही थी।
(d) ट्रैफ़िक पुलिस को निरस्त कर दिया गया था।

(iv) शहर के प्रत्येक मोड़ पर मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट क्यों तैनात थे ? [1]

(a) कार्यक्रम के दौरान होने वाली हिंसा को रोकने के लिए
(b) सरकारी आदेशानुसार कर्तव्य का निर्वाह करने के लिए
(c) शाम को होने वाली सभा का प्रबंध करने के लिए
(d) शाम को होने वाली सभा में सम्मिलित होने के लिए

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A): पुलिस ने बड़ी संख्या में पार्कों तथा मैदानों को घेर लिया था। कारण (R): पुलिस अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। [1]

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।
(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।
(d) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q9

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3 ऐतिहासिक संदर्भ | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding stimulus

Model Answer

(i) (a) पुलिस प्रशासन

(ii) (c) लोगों में उत्साह और नवीनता का संचार करना

(iii) (a) ट्रैफ़िक पुलिस गश्त के काम में लगी थी।

(iv) (b) सरकारी आदेशानुसार कर्तव्य का निर्वाह करने के लिए

(v) (d) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Source: डायरी का एक पन्ना, स्पर्श भाग-2

Explanation

- **(i)** गद्यांश में पुलिस की व्यवस्था का वर्णन है — घुड़सवार, गोरखे, सारजेंट सब पुलिस प्रशासन की ओर से तैनात थे।
- **(ii)** गद्यांश में "मानो स्वतंत्रता मिल गई हो" और "उत्साह और नवीनता" ये शब्द संकेत देते हैं कि उद्देश्य उत्साह एवं नवीनता का संचार था, न कि वास्तविक स्वतंत्रता की खुशी।
- **(iii)** गद्यांश में स्पष्ट लिखा है — "सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था", इसीलिए ट्रैफ़िक पुलिस नहीं थी।
- **(iv)** अंग्रेज़ सरकार ने सभा और प्रदर्शन रोकने हेतु पुलिस तैनात की थी, जो सरकारी आदेश का पालन था।
- **(v)** दोनों कथन गद्यांश से सिद्ध होते हैं और R, A का कारण बनता है।

Q11. **[3]**

26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्ता के बड़े बाज़ार का दृश्य कैसा था ? स्वतंत्रता आंदोलन में इस तरह के दृश्यों का क्या महत्त्व रहा होगा ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q11 (क)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:19 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी, 1931 को कलकत्ते के बड़े बाज़ार के प्रायः सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था। कई मकान इतने सजाए गए थे मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। जिस रास्ते से लोग जाते थे उसमें उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले कभी नहीं हुई।

स्वतंत्रता आंदोलन में ऐसे दृश्यों का बहुत महत्त्व रहा होगा — इनसे जनसाधारण में देशभक्ति की भावना जागती थी, लोग एकजुट होते थे और अंग्रेज़ शासकों को यह संदेश मिलता था कि भारतीय जनता दासता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

Source: डायरी का एक पन्ना, 26 जनवरी 1931

Explanation

- The question has two parts: (1) describe the scene in Bada Bazar, and (2) discuss the significance of such scenes in the freedom movement. Address both.
- Part 1 should use direct textbook evidence (flags on houses, decoration, atmosphere of enthusiasm).
- Part 2 asks for your inference — examiner expects points like: national unity, mass awareness, defiance of British rule.
- Do not add facts from outside the chapter for Part 1; Part 2 allows brief reasoned inference.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[3]**

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में 26 जनवरी 1931 को अमर-दिन क्यों कहा गया है और उसके लिए क्या तैयारियाँ की गईं ?

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q11 (क)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3 ऐतिहासिक संदर्भ | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:18 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को अमर दिन इसलिए कहा गया क्योंकि इसी दिन (1930 में) सारे हिंदुस्तान में पहली बार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था और 1931 में उसकी पुनरावृत्ति हो रही थी।

तैयारियाँ:

- केवल प्रचार में दो हज़ार रुपया खर्च किया गया।
- कार्यकर्ताओं के घर जा-जाकर उन्हें समझाया गया।
- बड़े बाज़ार के मकानों पर राष्ट्रीय झंडे फहराए गए।
- मोनुमेंट के नीचे सभा तथा झंडा फहराने की घोषणा की गई।
- स्त्री समाज और स्वयंसेवक जुलूस की तैयारी में लगे थे।
- फ़ोटो का भी उचित प्रबंध किया गया था।

Source: डायरी का एक पन्ना, 26 जनवरी 1931, Chapter 9

Explanation

परीक्षा में इस प्रश्न के दो भाग हैं — **अमर दिन क्यों** (1 अंक) और **तैयारियाँ** (2 अंक)। दोनों का उत्तर देना अनिवार्य है। तैयारियों के लिए bullet points स्पष्ट और सटीक रखें; पाठ से सीधे तथ्य लें। शब्द सीमा का ध्यान रखें — विस्तार से लिखने की आवश्यकता नहीं।

Q13. **[2]**

'एक संगठित समाज कृत संकल्प हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह न कर सके ।' – 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q8 (iv)

◆ सीताराम सेकसरिया – डायरी का एक पन्ना | 9.3.1 स्वतंत्रता आंदोलन | 9.3.2 व्यक्तिगत अनुभव | 9.4 घटनाओं का वर्णन

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:18 · grounding rag

Model Answer

26 जनवरी 1931 को कलकत्ता में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन से यह कथन सिद्ध होता है। पुलिस की भारी तैनाती और लाठीचार्ज के बावजूद हजारों लोग मैदान में एकत्र हुए। स्त्रियों ने मोनुमेंट की सीढ़ियों पर झंडा फहराया, 105 महिलाएँ गिरफ्तार हुईं, 200 से अधिक लोग घायल हुए, फिर भी संगठित जनता का उत्साह नहीं टूटा। इस प्रकार एक संकल्पबद्ध समाज ने असंभव को संभव कर दिखाया।

Source: डायरी का एक पन्ना, 26 जनवरी 1931

Explanation

- The examiner expects you to connect the general statement directly to specific examples from the text: the crowd defying lathi charge, women hoisting the flag, mass arrests yet continued protest.
- Mention at least 2 concrete examples to earn full 2 marks.
- Keep the answer crisp — no extra background on freedom movement needed.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories